



## **SEMINAR ON WORLD DAY TO COMBAT DESERTIFICATION AND DROUGHT "RISING UP FROM DROUGHT TOGETHER"**

**17-06-2022, Friday - 03:00 pm**

**VENUE : FRCER CONFERENCE HALL**

**FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION**

**PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH , INDIA - 211002**

**(Indian Council of Forestry Research & Education, Dehradun)**

One-day Seminar on "World Day to Combat Desertification and Drought" was organized by Forest Research Centre for Eco-rehabilitation, Prayagraj on 17/06/2022. The event was inaugurated with the lighting of the lamp by the Dr. Sanjay Singh, Scientist-G & Head, FRCER and other distinguished guests. At the outset Dr Sanjay Singh welcomed the gathering and highlighted the concept of the seminar. During his address he discussed about the role of forestry and environment sector in achieving the theme of seminar "Rising Up From Drought Together". He also discussed about desertification and its role as an increasing ecological problem. Later on Shri Alok Yadav, organizer of the seminar elaborated the house about the importance of the seminar. During his speech he highlighted the concept behind the celebration of this day and the Convention for specifically covering the areas of the planet which are the most at risk of desertification. Two guest speakers delivered their talk on this day. Dr. D. K. Chauhan Retd. Head and Professor, Department of Botany, University of Allahabad Prayagraj, discussed about the opportunity of medicinal plants cultivation in drought area and its need and importance. He also discussed about the plantation techniques of medicinal plants at water scarcity zones.

Dr. D. M. Denis, Head and Professor, Department of Irrigation and Drainage Engineering, Vaugh Institute of Agricultural Engineering delivered a talk on Role of Watershed Management in Livelihood Improvement. He discussed about watershed projects developed in recent years from technical interventions to restore degraded lands and vegetation to more specific poverty alleviation initiatives. He shared his experience and efforts made to quantify the livelihoods of watershed communities by using socio-economic indicators. At the end Dr. Anita Tomar, Scientist-F, proposed the vote of thanks. Program was attended by Scientist, Technical Officers, Research and PhD Scholars.

## Glimpses of Seminar



### मरुस्थल भूमि के सुधार के प्रयास बताए

प्रयागराज। पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व स्तर पर मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डीके चौहान तथा प्रोफेसर डी. एम. डेनिस, शुआदस के साथ केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दीप प्रज्वलन से किया। केंद्र प्रमुख डॉ. सिंह ने मरुस्थल भूमि के सुधार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी की रूपरेखा बताई। प्रोफेसर डीएम डेनिस ने मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए जल-अभाव प्रबंधन पर अनुभव साझा किए। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने किया। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता मौजूद रहे।

### मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी

प्रयागराज। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व स्तर पर मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन आज 17.06.2022 को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ० डी० के० चौहान, से० नि० प्रोफेसर व प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा प्रोफेसर डी० एम० डेनिस, शुआदस, प्रयागराज के साथ केंद्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। केंद्र प्रमुख डॉ० सिंह ने अपने स्वागत भाषण में पर्यावरण सुदृढ़ता के साथ मरुस्थल भूमि के सुधार में विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रों तथा राज्य स्तरीय वन विभागों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक



आलोक यादव ने संगोष्ठी की रूप रेखा से अवगत कराया। प्रथम व्याख्यान में डॉ० चौहान ने मरुस्थल व सूखाग्रस्त क्षेत्रों की भूमि में औषधीय पौधों को उगाने तथा इनके माध्यम से तैयार विभिन्न आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियों की उपयोगिता से अवगत कराया। द्वितीय व्याख्यान में प्रोफेसर डी० एम० डेनिस ने मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए जल-अभाव प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा किए। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनीता तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ० एस०डी० शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधज्ञान तथा पी० एच० डी० स्कॉलर्स आदि मौजूद रहे।

**प्रयागराज 3**  
अमृत प्रभात  
प्रयागराज, रविवार 18 जून 2022

### मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान पर किया मंथन

प्रयागराज (नि.सं.) पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व स्तर पर मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान के लिये एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. डीके चौहान, सेवा निवृत्त प्रोफेसर व प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा प्रोफेसर डी.एम. डेनिस, शुआदस, प्रयागराज के साथ केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन करके की गई। केंद्र प्रमुख डॉ. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में पर्यावरण सुदृढ़ता के साथ मरुस्थल भूमि के सुधार में विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रों तथा राज्य स्तरीय वन विभागों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ



वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी की रूप रेखा से अवगत कराया। प्रथम व्याख्यान में डॉ. चौहान ने मरुस्थल व सूखाग्रस्त क्षेत्रों की भूमि में औषधीय पौधों को उगाने तथा इनके माध्यम से तैयार विभिन्न आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियों की उपयोगिता से अवगत कराया। द्वितीय व्याख्यान में प्रोफेसर डी.एम. डेनिस ने मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए जल-अभाव प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा किए।

सूखा से निदान पर मंथन  
जासं, प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत संगोष्ठी हुई। डा. डीके चौहान ने मरुस्थल व सूखाग्रस्त क्षेत्रों में औषधीय पौधों को उगाने की सलाह दी। केंद्र प्रमुख डा संजय सिंह ने कहा कि पौधारोपण भूमि को उपजाऊ बना सकता है। मौके पर प्रो. डीएम डेनिस, डा कुमुद दुबे, डा एसडी. शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की वरिष्ठ विज्ञानी डा अनीता तोमर ने किया।

### पारि-पुनर्स्थापन केंद्र में एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज(नि. स.)।पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व स्तर पर मरुस्थलीकरण व सूखे के निदान हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन आज 17.06.2022 को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डा० डी० के० चौहान, से० नि० प्रोफेसर व प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा प्रोफेसर डी० एम० डेनिस, शुआदस, प्रयागराज के साथ केंद्र प्रमुख डा० संजय सिंह व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। केंद्र प्रमुख डा० सिंह ने अपने स्वागत भाषण में पर्यावरण सुदृढ़ता के साथ मरुस्थल भूमि के सुधार में विभिन्न

क्रियाकलापों के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं केन्द्रों तथा राज्य स्तरीय वन विभागों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने संगोष्ठी की रूप रेखा से अवगत कराया। प्रथम व्याख्यान में डा० चौहान ने मरुस्थल व सूखाग्रस्त क्षेत्रों की भूमि में औषधीय पौधों को उगाने तथा इनके माध्यम से तैयार विभिन्न आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियों की उपयोगिता से अवगत कराया। द्वितीय व्याख्यान में प्रोफेसर डी० एम० डेनिस ने मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए जल-अभाव प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा किए। धन्यवाद ज्ञापन



केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनीता तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा० एस०डी० शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधज्ञान तथा पी० एच० डी० स्कॉलर्स आदि मौजूद रहे।